

बेटी की बाट

● डॉ. शमीम शर्मा

माँ
पहली बार रोटी सेंकते हुये
तवे पर हाथ चिपका
तो तुमने मेरी अंगुली को
सीने से लगा लिया था
जब कभी ठोकर लगी और
ज़ख्मी हुआ पांव
तुमने चार बार मरहम लगाई
महावारी के दर्द में जब-जब चिल्लाई
तुमने पुचकार कर समझाया
यह दर्द तो जीवन भर का है।
इम्तहान के दिनों में
अपने हाथ से
सब्जी लगा-लगा रोटी की
कोर डाली मेरे मुंह में
बरसों एक-एक चीज़ इकट्ठी कर
भर दिया संदूक दहेज का और
मेरा रिश्ता तय होते ही तुम
भीतर वाले कमरे में जा-जा
लाल करती रही अपनी आंखें।
और अब मेरे विवाह के
तीस साल बाद भी
तुम बाट जोहती हो/मेरे आने की
फिर विदा करती हो
हर बार विदाई पर
पोंछती हो आंखें अपनी साड़ी के पल्लू से
और फिर लाल हुई अपनी आंखों से
मेरी बाट देखने में जुट जाती हो।
पर अब तुम्हें क्या हो गया है
बार-बार मेरे आने की बाट
जोने वाली मेरी माँ
अब तुम मुझे इस ज़मीन पर
आने से क्यों रोकती हो ?
तुम्हारा प्रतिरूप हूँ मैं
भावी माँ भी हूँ मैं
जो देखेगी बेटीयों के आने की बाट।

सम्पर्क : [REDACTED]

धरती मेरी माँ

● वन्दना यादव

यह धरती मेरी माँ है
इसके पूजन को मन-प्राण ले
एक-एक अस्थि कलश बनी और
लहू के गुंथे पुष्प हार ले/शीश चढ़ाने जाती हूँ
अपने देश की माटी पर मैं
तन-मन अपना अर्पण/सौगंध उठाए जाती हूँ
लगन लगाए माँ के चरणों में
स्वयं की भेंट चढ़ाने जाती हूँ
हे माँ, तुम्हारे रज कणों से
सीने पर सजे पुष्प हार ले/मतवाले गुंजित मन से
देश प्रेम की ज्योति में
लहु घृत चढ़ाती जाती हूँ।
अपनी माता की अति प्रिय
लाइली उसके उद्गारों में/नूर उसके नैनों का हूँ मैं
उसकी आन पर हर पल अपने
प्राण निछावर करती हूँ।
यह धरती मेरी माँ है/अपनी माता की रक्षा में
मातृ भूमि की आन पे
पुष्प बना लहु की बूंदों से
हार चढ़ाने जाती हूँ।
तिलक सजा पावन माटी का/अमृत पी नदियों के जल से
मुकुट चढ़ा पर्वत का सर पे
मात्र भूमि की रक्षा में/शीश चढ़ाने जाती हूँ
यह धरती मेरी माँ है/इसके पूजन को मन-प्राण ले
एक-एक अस्थि कलश बनी और
लहू के गुंथे पुष्प हार ले/शीश चढ़ाने जाती हूँ।
धरती माता के पूजन को/देश की माटी के गौरव को
बलिदानी के गर्वित मन को
निश्चय एक अडिग लिए मैं/सर्वस्व लुटाने जाती हूँ।
यह धरती मेरी माँ है/इसके पूजन को मन-प्राण ले
एक-एक अस्थि कलश बनी और
लहू के गुंथे पुष्प हार ले/शीश चढ़ाने जाती हूँ।
मेरे देश की माटी पर मैं
तन-मन अपना अर्पण करने
सौगंध उठाए जाती हूँ!

सम्पर्क : [REDACTED]